सत्र 2024-25 हेतु

आगामी सत्र में जुलाई माह से हिंदी परिषद के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे जिनका विवरण निम्नवत है -

1- प्रेमचंद जयंती का कार्यक्रम — 31 जुलाई
2- हिंदी दिवस — 14 सितम्बर
3- दिनकर जयंती — 23 सितम्बर
4- प्रसाद जयंती — 30 जनवरी
5- निराला जयंती — 21 फरवरी
6- महादेवी वर्मा की जयंती — 26 मार्च
7- सुमित्रानंदन पंत जयंती — 20 मई

समस्त जयंतियों में छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न कार्यक्रम जैसे, कविता-पाठ, कहानी वाचन, लघु नाटक की प्रस्तुति आदि कराये जायेंगे। हिंदी विभाग के दिशानिर्देशानुसार विद्यार्थियों द्वारा 'दीवार पत्रिका' बनायी जायेगी 'दीवार पत्रिका' द्वारा विद्यार्थियों की सर्जना शक्ति को एक मंच मिलेगा।

RKpandey
24/05/2024

Karnatak
(डॉ. शिवानी कर्नाटक)
हिंदी विभाग

अनुमति संख्या

S. No.:

सेवा में,

प्राचार्य
राजकीय महाविद्याल पाटी
चम्पावत

महोदय,
सादर सूच्य है कि दिनांक 19-07-2024 को हिंदी विभाग में विभागीय परिषद का गठन किया जाना है अतएव आपसे निवेदन है कि उक्त दिवस को विभागीय परिषद के गठन की अनुमति प्रदान करने की कृपा कीजिएगा।

धन्यवाद

सादर

अनुमति
Apandey

Karnatak
(डॉ. शिवानी कर्नाटक)
हिंदी विभाग
रा. महा. पाटी

Date: 15/07/24
S. No.:

सूचना

महाविद्यालय में अध्ययनरत समस्त छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 19-07-2024 को महाविद्यालय में हिंदी विभाग के अन्तर्गत विभागीय परिषद् का गठन किया जाना है अतएव बी.ए. प्रथम सेमेस्टर, तृतीय सेमेस्टर एवं पंचम सेमेस्टर के हिंदी विषय के समस्त विद्यार्थियों की उपस्थिति अनिवार्य है। समस्त विद्यार्थी प्रात: 10 बजे राजकीय महाविद्यालय पाटी में उपस्थित हो जायें।

(डॉ. शिवानी कर्नाटक)
हिंदी विभाग
रा. महा. पाटी

प्रतिवेदन

हिंदी परिषद् – सत्र - 2024-25

आज दिनांक 19-07-24 को हिंदी विभाग के अन्तर्गत हिंदी परिषद का गठन किया गया। विद्यार्थियों की सर्वसम्मति से हिंदी परिषद के पदाधिकारी निर्वाचित हुए। पदाधिकारियों का विवरण निम्नवत् है –

समन्वयक – डॉ शिवानी कर्नाटक — Karnatak 19-07-24

1- अध्यक्ष – पलक पचौली B.A V^th^ सेमेस्टर — PALAK 84494952[illegible]

2- उपाध्यक्ष – प्रियंका पाटनी B.A. V^th^ सेमेस्टर — Priyanka 7617787573

3- छात्रा उपाध्यक्ष – हिमानी B.A. III^rd^ सेमेस्टर — Himani 9756538[illegible]

4- सचिव – निकिता मेहता B.A. I^st^ सेमेस्टर — Nikita 8394062[illegible]

Alpandey
23/07/2024

Karnatak
(डॉ. शिवानी कर्नाटक)
रा० महा० धारी

हिंदी परिषद

img_1721373479234.jpg

24, 12:57 PM

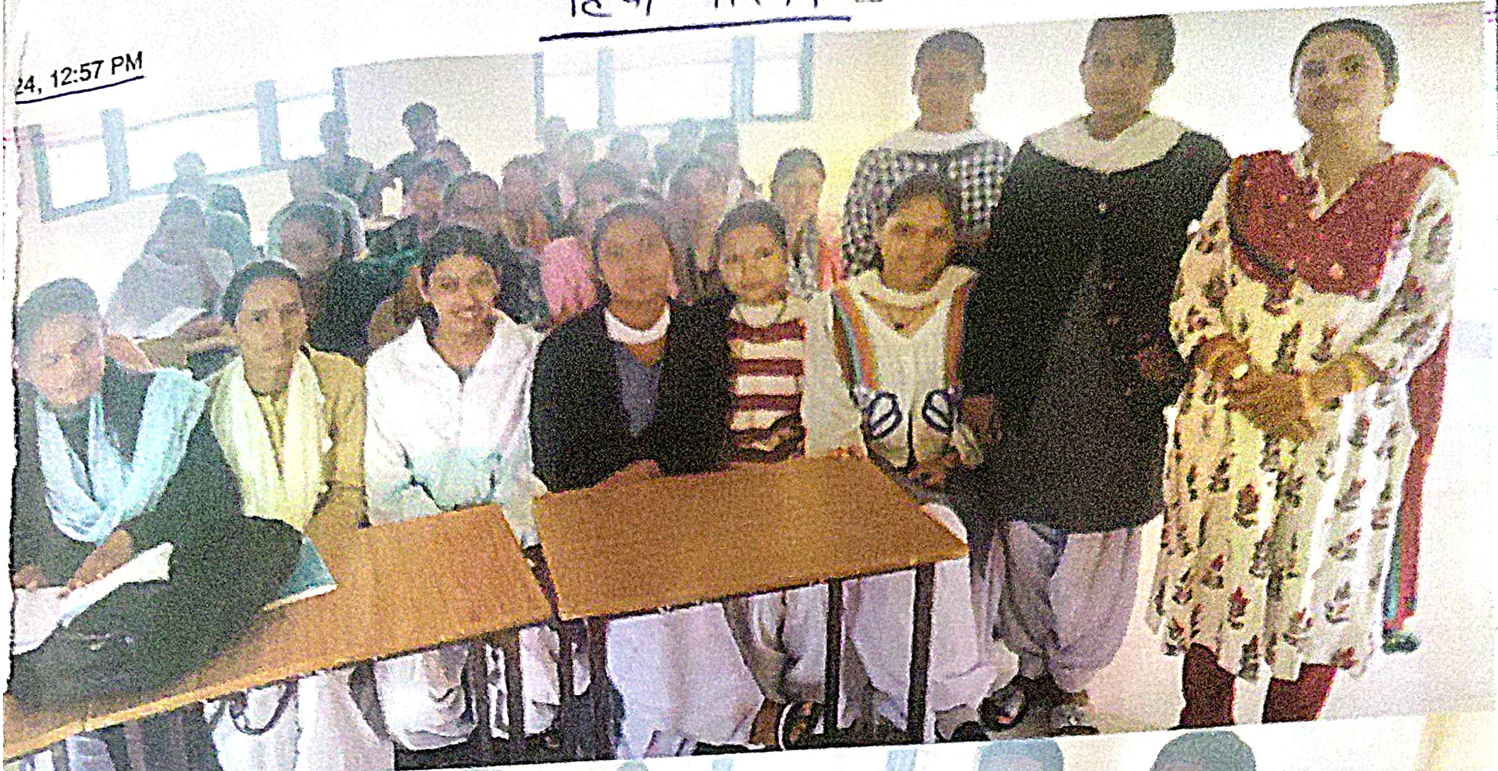

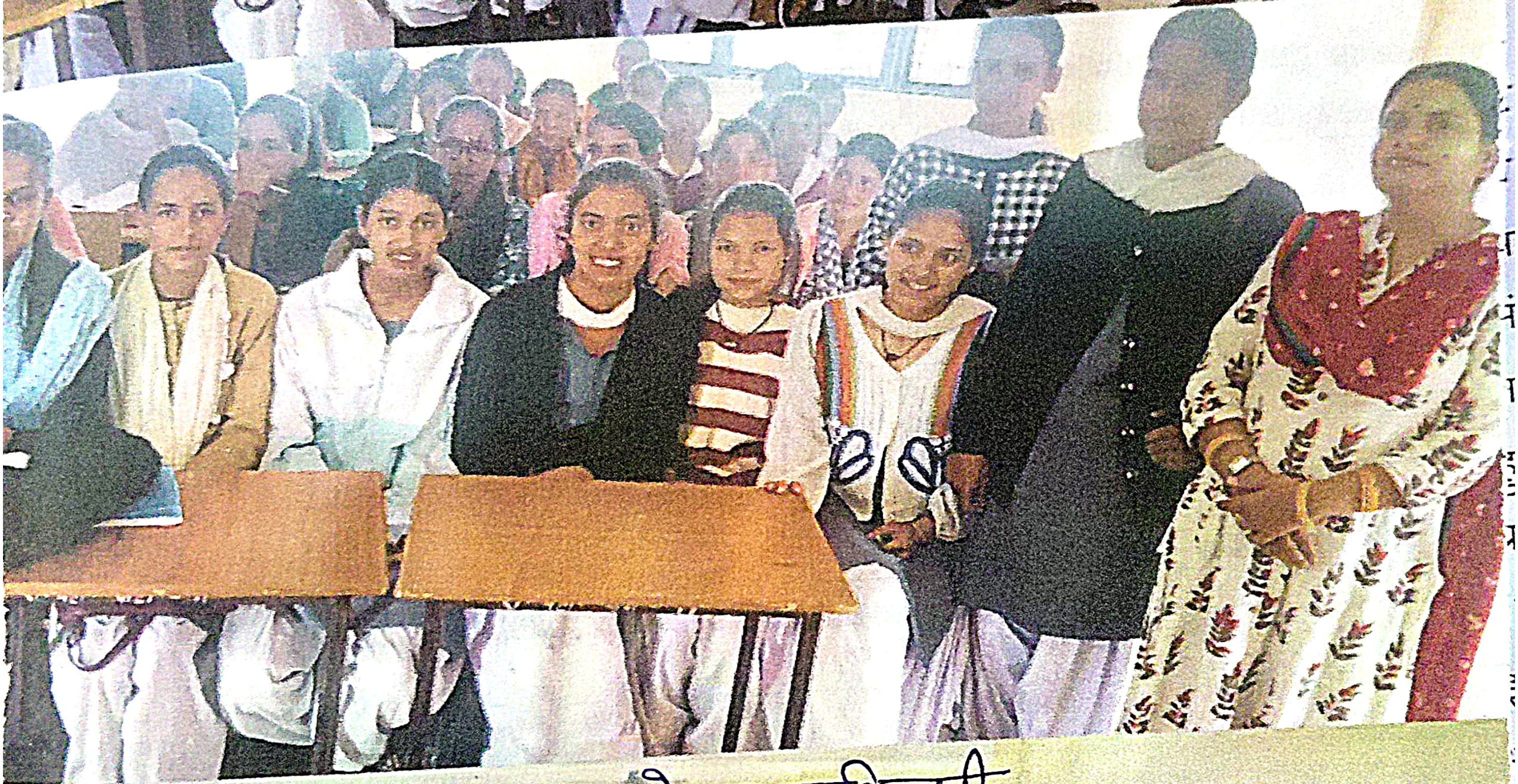

हिंदी परिषद के पदाधिकारी

S. No.:

क्र. सं.	छात्र / छात्रा का नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
1	हिमानी	B.A. III sem	Himani
2	दीपा	B.A. III sem	Deepa
3	तनुजा	B.A III Sem	TanuJA
4.	अनुष्का	B.A III Sem.	Anushka
5	रेनू	B.A III Sem	Renu
6	तुलसी	B.A III Sem	TULSI
7	सोनिया मेहता	B.A III Sem	Soniya
8	प्रियंका पाटनी	B.A V Sem	Priyanka
9.	पलक पचोली	B.A V Sem	PALAK
10	सपना	B.A V Sem	Sapna
11	दिया बिष्ट	B.A I Sem	Diya
12	सोनी	B.A I Sem	Soni
13	दीक्षा टकवाल	B A I Sem	Deeksha Takwal
14	निकिता मेहता	B A I Sem	Nikita
15	दीपिका पचोली	BA I Sem	Deepika
16	मनीषा भट्ट	BA I Sem	Manish
17	शोभा भट्ट	BA I Sem	शोभा
	नवल किशोर	B.A I Sem	[illegible]
18	गौरव मेहता	BA I Sem	Gaurav
19	निखिल	BA I Sem	Nikhil
20	धीरज जोशी	B.A I Sem	Dheeraj
21	सीमा बिष्ट	B.A I Sem	Seema
22	मनीषा	B.A. I Sem	मनीषा
23	निशा	B.A I Sem	निशा
24	कमल पचोली	B.A I Sem	Kamal
25	विजय सिंह	B.A 5th (Sem)	Vijay

S. No.:

सूचना

महाविद्यालय में अध्ययनरत समस्त छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दि० 31-07-2024 को 'प्रेमचंद जयंती' के अवसर पर महाविद्यालय में एक कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। कार्यक्रम में समस्त विद्यार्थियों की उपस्थिति अनिवार्य है।

स्थान - राजकीय महाविद्यालय पाटी

समय - प्रातः 10:30

Karnatak

(डॉ० शिवानी कर्नाटक)
हिंदी विभाग
रा० महा० पाटी, चम्पा०
उत्तराखण्ड

Date: 31/07/24
S. No.:

प्रतिवेदन

आज दिनांक 31-07-2024 को राजकीय महाविद्यालय घाटी में हिंदी विभाग की तरफ से प्रेमचंद जयंती का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्राचार्य प्रो॰ राकेश कुमार पाण्डेय जी थे उन्होंने अपने वक्तव्य में प्रेमचन्द की कहानियों एवं उपन्यासों में सामाजिक, आर्थिक चिन्तन की परम्परा पर विशद चर्चा की साथ ही उनके कथा साहित्य में कृषक जीवन की समस्याओं को समझाते हुए विस्तृत चर्चा की। डॉ॰ शिवानी कर्नाटक ने प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। पलक पन्चोली और हिमानी ने प्रेमचंद के जीवन से सम्बन्धित महत्वपूर्ण घटनाओं का उल्लेख किया। पलक, प्रियंका, अनीता एवं सुमन ने पोस्टर बनाये।

कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ॰ शिवानी कर्नाटक ने किया। डॉ॰ प्रवीण कुमार पाण्डेय, श्रीमती हिना, श्रीमती अल्का, श्रीमती ऋतु एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

(signature) 31/07/2024

(signature) SKarnatak
(डॉ॰ शिवानी कर्नाटक)
हिंदी विभाग
रा॰ महा॰ घाटी

प्रेमचंद जयंती
31 जुलाई

क्र.सं.	छात्र / छात्रा का नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
01	मनीषा	B.A I Sem	Manish
02	मानसी मिश्रा	B.A I Sem	मानसी
03.	शोभा	B.A I Sem	शोभा
04.	ललिता	B.A I. Sem	Yalita
05	पूजा गोस्वामी	B.A. I Sem	Pooja Goswami
06	अनीता	B.A. I Sem	Anita
07	दिया बिष्ट	B.A. I Sem	Diya
08	दीक्षा टकवाल	B. A. I Sem	Deeksha
09	कोमल बिष्ट	B. A. I Sem	komal
10	पूजा	B. A I ~~P~~	पूजा
11	सुमन	B.A III Sem	Suman
12	दीपिका जोशी	B.A I Sem	Deepika
13	दीपिका पुचौली	B.A I Sem	Deepika
14	निकिता मेहता	B.A I Sem	Nikita
15	तनुजा मेहता	B.A III sem	Tanuja
16	निकिता सोराड़ी	B.A I Sem	Nikki
17	रजनी	B.A. III Sem	Rajni
18	हिमानी भट्ट	B.A 5th Sem	Himani
19	आंकाक्षा गहतोड़ी	B.A 5th Sem	AkanshA
20	प्रियंका पाटनी	B.A 5th Sem	Priyanka
21	नीमा	B.A 3th Sem	Neema
22	नीशु	B.A 3th Sem	Neshu
23	पलक पचौली	B.A 5th Sem	P
24	डौली पाटनी	B.A 5th Sem	डौली
25	धीरज जोशी	B.A I st Sem	Dheeraj
26	हिमांशु कुमार	"	हिमांशु कुमार
27	निखिल	B.A I st Sem	Nikhil
28	दीपक माहरा	B.A I st Sem	दीपक
29	अनुष्का	B.A III Sem	Anushka
30	हिमानी	B.A III sem	Himani
31	रश्मि पाटनी	B.A. III	

S. No.:

अनुमति संख्या - 04

सेवा में,

प्राचार्य
रा० महा० पाटी
चम्पावत

महोदय,

सादर सूच्य है कि दिनांक 14-9-2024 को 'हिंदी दिवस' के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में एक कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। अतएव आपसे निवेदन है कि उक्त दिवस को कार्यक्रम आयोजित करवाने की अनुमति प्रदान करने की कृपा कीजिएगा।

धन्यवाद

सादर
Karnatak
(डॉ० शिवानी कर्नाटक)
हिन्दी विभाग
रा० महा० पाटी

सूचना

महाविद्यालय में अध्ययनरत समस्त छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दि० 14-09-2024 को 'हिन्दी दिवस' के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। कार्यक्रम में सभी विद्यार्थियों की उपस्थिति अनिवार्य है।

स्थान - राजकीय महाविद्यालय पाटी
समय - प्रातः 10:30

S.Karnatak
(डॉ० शिवानी कर्नाटक)
हिन्दी विभाग
रा० महा० पाटी

प्रतिवेदन

आज दिनांक 14-09-2024 को 'हिन्दी दिवस' के अवसर पर राजकीय महाविद्यालय पाटी में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो॰ राकेश कुमार पाण्डेय रहे। उन्होंने अपने वक्तव्य में हिन्दी भाषा के महत्त्व के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। श्रीमती हिना परवीन ने 'सम्पर्क भाषा के रूप में हिंदी' के महत्त्व पर चर्चा की। डॉ॰ धर्मवीर सिंह ने राजभाषा अधिनियम पर विस्तृत चर्चा की। श्रीमती अलका एवं श्रीमती नेटटु ने भी हिन्दी भाषा के उद्भव एवं विकास के बारे में छात्रों को बताया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ॰ शिवानी कर्नाटक ने किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में समस्त शिक्षणेत्तर कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

S. Karnatak

(डॉ॰ शिवानी कर्नाटक)
हिन्दी विभाग
रा॰ महा॰ पाटी

अनुमति

सेवा में,

प्राचार्य

राजकीय महाविद्यालय पाटी (चंपावत)

महोदय,

सादर सूच्य है कि दिनांक 21/02/25 21 फरवरी 25 को निराला जयंती के अवसर पर महाविद्यालय में एक कार्यक्रम आयोजित किया जाना है, अतएव आपसे निवेदन है कि उक्त दिवस को कार्यक्रम करवाने की अनुमति प्रदान कीजिएगा।

P. Pandey

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय,
पाटी (चम्पावत)

सादर
Sapna
(कु०- सपना)
हिंदी विभाग
(रा० मद्य० पाटी चंपावत)

सूचना

महाविद्यालय में अध्ययनरत समस्त छात्र - छात्राओं को सूचित किया जाता है, कि दि - 21/02/20 को हिंदी विभाग द्वारा निराला जयंती के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है।

अतः प्रात 11: बजे कार्यक्रम में आप सभी छात्र / छात्राएँ अपनी उपस्थिति अनिवार्य रूप से बनाए रखें।

BPandey
प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय
पाटी (चम्पावत)

कु० सपना
हिंदी विभाग
रा० मह० पाटी चंपावत

प्रतिवेदन

प्रस्तावना: आज दिनांक 21 फरवरी 2025 को निराला जयंती के अवसर पर राजकीय महाविद्यालय पाटी चम्पावत में हिंदी विभाग द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।साहित्यकार, कवि और लेखक सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की जयंती हर साल 21 फ़रवरी को मनाई जाती है। निराला हिंदी साहित्य के महान कवियों में एक माने जाते हैं, और उनकी रचनाएँ आज भी भारतीय साहित्य में अत्यधिक महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। उनका साहित्य समाज और मनुष्य के विविध पहलुओं को उजागर करता है। उनकी कविताएँ मानवीय संवेदनाओं और समाज के प्रति गहरी चिंता को व्यक्त करती हैं।

कार्यक्रम का आयोजन - कार्यक्रम का संचालन कु. सपना असिस्टेंट प्रोफेसर हिंदी विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आर. के पांडेय द्वारा की गई। जिसमें उन्होंने समस्त विद्यार्थियों से निराला के जीवन के व्यक्तिगत एवं साहित्यिक संघर्षों को साझा किया कार्यक्रम का संचालन कर रही कु. सपना ने निराला के जीवन का साहित्यिक जीवन के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किये, और निराला के जीवन परिचय देते हुए बताया की सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का जन्म 21 फ़रवरी 1896 को उत्तर प्रदेश के महमूदाबाद गांव में हुआ था। उनकी शिक्षा-दीक्षा इलाहाबाद में हुई। उनके जीवन में अनेक दुखों और कष्टों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने इन कठिनाइयों के बावजूद अपनी साहित्यिक यात्रा जारी रखी। निराला का जीवन संघर्ष से भरा हुआ था, और यही संघर्ष उनके लेखन में भी झलकता है।

इतिहास विभाग से डॉ. के के मिश्रा ने निराला के साहित्यिक योगदान: पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि निराला का साहित्य मुख्य रूप से कविता, कहानी, निबंध और उपन्यास के रूप में उपलब्ध है। उनकी रचनाओं में भारतीय समाज, संस्कृति, धार्मिकता, और मानवीय मूल्यों का गहरा चित्रण किया गया है। उनका लेखन भाषा की साधारणीकरण के विरोध में था। उनकी कविताओं में प्रकृति, सामाजिक असमानता, भारतीय आत्मा और प्रेम का चित्रण बहुत प्रभावशाली तरीके से किया गया।

निराला की विभिन्न रचनाओं पर छात्र-छात्राओं द्वारा अपने विचार प्रस्तुत किये गये।

1.बीए चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा हिमानी ने राम की शक्ति पूजा की माध्यम से – निराला का जुझारू व्यक्तित्त्व और राम के माध्यम से अभिव्यक्त किया इसमें उन्होंने राम की शक्ति और विश्वास को प्रमुखता दी है।

2. बी. ए षष्ठम सेमेस्टर की छात्रा पलक पचौली ने सरोज स्मृति कविता के माध्यम से निराला के पुत्री वात्सल्य प्रेम को अभिव्यक्त किया। सरोज स्मृति उनकी सबसे प्रसिद्ध कविताओं में से एक, जो उनकी बेटी की मृत्यु के बाद लिखी गई थी। इसमें निराला ने गहरे व्यक्तिगत दुख और शोक को व्यक्त किया।

3. बी. ए द्वितीय सेमेस्टर के छात्र धीरज जोशी ने निराला की गीतिका रचना पर अपने विचार व्यक्त किये उन्होंने बताया कि गीतिका यह उनकी महत्वपूर्णरचनाओं में से एक है, जो भारतीय समाज और उसकी मानसिकता पर टिप्पणी करती है।

4. बीए चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा दीपा ने तोड़ती पत्थर कविता, का पाठ किया गया।

निष्कर्ष: आज के इस कार्यक्रम में बताया गया कि निराला का साहित्य किस त सेआज भी प्रासंगिक बना हुआ है सूर्यकांत त्रिपाठी निराला न केवल एक महान कवि थे, बल्कि वे एक संवेदनशील मनुष्य भी थे जिन्होंने अपने साहित्य के माध्यम से समाज की बुराईयों और अपार दुखों को व्यक्त किया। उनकी रचन केवल साहित्यिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि वे समाज को जागरूक करन और सुधारने का कार्य भी करती हैं। उनकी जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए हमें उनके साहित्य का अध्ययन करना चाहिए और उससे प्रेरणा लेनी चाहिए। आज के कार्यक्रम की सफल संचालन में महाविद्यालय के प्राचार्य आर पांडेय डॉ के. के. मिश्रा, डॉ हिना परवीन, श्रीमती अलका आर्य, डॉक्टर धर्मवीर सि (कार्यालय अधीक्षक) श्री भगवती प्रसाद, एवं महाविद्यालय के अन्य शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहें।

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय
पाटी (चम्पावत)

S. No.:

क्र.स	छात्र / छात्रा का नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
1.	धीरज जोशी	B.A IInd Sem	Dheeraj
2.	मनीषा	B.A IInd Sem	Manisha
3.	नवीता तिवारी	B.A IInd sem	नवीता तिवारी
4	रश्मि लोदिया	B.A IInd sem	रश्मि लोदिया
5.	मनीषा	B.A II nd sem	मनीषा
6.	सीमा	B.A. II sem	सीमा
7.	निशा	B.A. II Sem	निशा
8	प्रेमा भट्ट	B.A. 6 Sem	प्रेमा
9	नवीता	B.A. 6 Sem	नवीता
10	सुनीता	B.A. 6 Sem	सुनीता
11	रजनी	B.A. 4 sem	रजनी
12	गंगा	B.A II Sem	गंगा
13	गुड़िया जोशी	B.A II Sem	गुड़िया
14	सुनीता जोशी	B.A 6th Sem	Sunita
15	कल्पना	B.A 6th Sem	Kalpana
16	गीता	B.A 6th Sem	गीता
17	मोनिका जोशी	B.A 6th Sem	मोनिका
18	रजनी जोशी	B.A 4th Sem	रजनी जोशी
	पलक पचौली	B.A 6th Sem	PALAK
	डौली पाटनी	"	Dauli
	प्रियंका पाटनी	"	Priyanka
	रश्मी पाटनी	B.A 4th Sem	Rashmi
	पृथ्वी सिंह मेहता	B.A 6th Sem	Prithvi Mehta

Date: / /

S. No.:

अनुमति

सेवा में,

प्राचार्य

रा० महा० पाटी चंपावत

महोदय,

सादर सूच्य है की दिनांक 26/03/2025 को महादेवी वर्मा जयंती के अवसर पर महाविद्यालय में एक कार्यक्रम आयोजित किया जाना है।

अतएव आपसे निवेदन है कि उक्त दिवस को कार्यक्रम करवाने की अनुमति प्रदान कीजिएगा।

Sapna

सादर

कु० सपना

हिंदी विभाग

(रा० महा० पाटी चंपावत)

प्राचार्य

राजकीय महाविद्यालय

पाटी (चम्पावत)

S. No.:

सूचना

महाविद्यालय में अध्ययनरत समस्त छात्र। छात्राओं सूचित किया जाता है, कि दिनांक 26/03/2025 को हिंदी विभाग द्वारा महादेवी वर्मा जयंती के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है, अतः दिनांक 26 मार्च ११ बजे सभी छात्र/छात्राएँ अपनी उपस्थिति अनिवार्य रूप से बनाए रखें।

PKpandey

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय
पाटी (चम्पावत)

सादर
कु० सपना
हिंदी विभाग
रा० महा० पाटी चंपावत

प्रतिवेदन

प्रस्तावना - आज दिनांक "26 मार्च 2025 को राजकीय महाविद्यालय पाटी चम्पावत में हिंदी साहित्य की महान कवयित्री महादेवी वर्मा की जयंती बड़े उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो.राकेश कुमार पांडेय द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम का संचालन सुश्री (हिंदी विभाग) द्वारा किया गया इस अवसर महादेवी वर्मा के व्यक्तिगत एवं साहित्यिक जीवन के विभिन्न पहलू पर चर्चा - परिचर्चा की गई ।"

मुख्य कार्यक्रम का विवरण -

"कार्यक्रम की शुरुआत संचालक द्वारा हुई जिसमें महादेवी वर्मा महादेवी वर्मा की साहित्यिक प्रासंगिकता पर अपने विचार प्रस्तुत किये गए। महादेवी वर्मा की जयंती प्रतिवर्ष 26 मार्च को मनाई जाती है। महादेवी वर्मा एक प्रसिद्ध भारतीय कवियित्री, गद्य लेखक, और सामाजिक कार्यकर्ता थीं। उन्हें "आधुनिक मीरा" के रूप में भी जाना जाता है। वे हिंदी साहित्य में छायावाद आंदोलन की एक प्रमुख हस्ती थीं।

प्रस्तावना - आज दिनांक "26 मार्च 2025 को राजकीय महाविद्यालय पाटी चम्पावत में हिंदी साहित्य की महान कवयित्री महादेवी वर्मा की जयंती बड़े उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो.राकेश कुमार पांडेय द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम का संचालन सुश्री (हिंदी विभाग) द्वारा किया गया इस अवसर महादेवी वर्मा के व्यक्तिगत एवं साहित्यिक जीवन के विभिन्न पहलू पर चर्चा - परिचर्चा की गई ।"

मुख्य कार्यक्रम का विवरण

"कार्यक्रम की शुरुआत संचालक द्वारा हुई जिसमें महादेवी वर्मा महादेवी वर्मा की साहित्यिक प्रासंगिकता पर अपने विचार प्रस्तुत किये गए। महादेवी वर्मा की जयंती प्रतिवर्ष 26 मार्च को मनाई जाती है। महादेवी वर्मा एक प्रसिद्ध भारतीय कवियित्री, गद्य लेखक, और सामाजिक कार्यकर्ता थीं। उन्हें "आधुनिक मीरा" के रूप में भी जाना जाता है। वे हिंदी साहित्य में छायावाद आंदोलन की एक प्रमुख हस्ती थीं। प्राध्यापक डॉ. के. के मिश्रा, ने महादेवी के व्यक्तिगत जीवन एवं उनके साहित्यिक योगदान के बारे में बताया।

अलका आर्य(,प्राध्यापक) ने बताया कि महादेवी वर्मा ने हिंदी साहित्य में प्रेम, सौंदर्य, प्रकृति, और मानव जीवन के विविध पहलुओं को अपनी कविताओं में व्यक्त किया। उन्होंने महिलाओं के शिक्षा और सामाजिक विकास के लिए भी काम किया है, महादेवी वर्मा की जयंती को हिंदी साहित्य में एक महत्वपूर्ण दिन के रूप में मनाया जाता है, क्योंकि वे हिंदी साहित्य को एक नई दिशा में ले जाने में सफल रही थीं।

महादेवी वर्मा की विभिन्न रचनाओं पर छात्र/ छात्राओं द्वारा अपने विचार प्रस्तुत किए गए।

बी. ए द्वितीय सेमेस्टर के छात्र निखिल द्वारा महादेवी वर्मा के जीवन एवं साहित्यिक रचनाओं का परिचय देते हुए बताया गया की उनके अमूल्य साहित्य योगदान के लिए किस तरह उन्हें उत्कृष्ट सम्मान से नवाज गया।

बी. ए द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा ललिता भट्ट द्वारा महादेवी वर्मा की कविता" मैं नीर भरी दुख की बदली" का कविता पाठ किया गया।

बी. ए चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा हिमानी द्वारा महादेवी वर्मा द्वारा लिखित "श्रृंखला की कड़ियां"निबंध पर अपने विचार व्यक्त किए गए प्रतिवेदन

प्रमुख रचनाएँ:नीहार, रश्मि, नीरजा, यामा, स्मृति की रेखाएँ, अतीत के चलचित्र आदि है।

उन्हें उनके अमूल्य साहित्यिक योगदान के लिए सम्मान पद्म भूषण, ज्ञानपीठ पुरस्कार, भारत भारती पुरस्कार. से विभूषित किया गया है।

उद्देश्य और महत्व - इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को महादेवी वर्मा के साहित्य से परिचित कराना और उनकी रचनात्मकता से प्रेरणा देना था।

निष्कर्ष - "महादेवी वर्मा जयंती कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।महादेवी वर्मा का साहित्यिक योगदान और समाजिक कार्य उन्हें हिंदी साहित्य और भारतीय समाज में एक अमिट स्थान प्रदान करते हैं। उनकी रचनाएँ आज भी पाठकों को प्रेरित करती हैं और उनकी विचारधारा समकालीन संदर्भों में भी प्रासंगिक बनी हुई है।

छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सभी ने महादेवी वर्मा के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।" आज के इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आर. के. पांडेय डॉ के. के. मिश्रा डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ हिना परवीन, श्रीमती अलका आर्य, कु. सपना समस्त प्राध्यापकों सहित (कार्यालय अधीक्षक) श्री भगवती प्रसाद एवं महाविद्यालय के अन्य शिक्षणेत्तर कर्मचारी सभी विद्यार्थी उपस्थित रहें।

RKPandey

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय
पाटी (चम्पावत)

(कार्यक्रम में उपस्थित छात्र छात्रा ...)

क्र॰ स॰	छात्र / छात्रा का नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
1.	धीरज जोशी	B.A IInd sem	Dheeraj
2.	मनीषा	B.A II nd sem	Manisha
3	नवीता तिवारी	B.A IInd sem	नवीता तिवारी
4.	रश्मि लोहिया	B.A IInd sem	रश्मि लोहिया
5.	मनीषा	B.A II sem	मनीषा
6	सीमा	B.A II sem	सीमा
7	निशा	B.A. II sem	निशा
8	प्रेमा भट्ट	B.A. 6 Sem	प्रेमा भट्ट
9	कविता	B.A. 6 Sem	कविता
10	सुनीता	B.A. 6 sem	सुनीता
11	रजनी	B.A. 4 sem	रजनी
12	कल्पना	B.A 6th Sem	Kalpana
13	गीता	B.A 6th Sem	गीता
14	सुनीता जोशी	B.A 6th Sem	Sunita
15	मोनिका जोशी	B.A 6th Sem	मोनिका
16	रेनु आर्या	B.A 6th Sem	रेनु
17	नेहा जोशी	B.A 6th Sem	नेहा
18	गुड़िया जोशी	B.A 2nd Sem	गुड़िया
19	गंगा बोहरा	B.A 2nd Sem	गंगा
20	पलक पचौली	B.A 6th Sem	PALAK
21	डोली पाटनी	"	Doli
22	प्रियंका पाटनी	"	Priyanka
23	रश्मी पाटनी	B.A 4th Sem	Rashmi
24	पृथ्वी सिंह मेहता	B.A 6th Sem	Prithvi Mehta

S. No.:

अनुमति

सेवा में

प्राचार्य,
(राजकीय महाविद्यालय पाटी चंपावत)

महोदय,

सादर सूच्य है कि दिनांक २० मई 2025 की तिथि को महाविद्यालय में परीक्षा का आयोजन नहीं होना है। अतः उक्त दिवस २० मई सुमित्रानंदन पंत जयंती के उपलक्ष्य में महाविद्यालय द्वारा ऑनलाइन / ऑफलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया जाना है, अतएव महोदय से निवेदन है कि उक्त दिवस को कार्यक्रम करवाने की अनुमति प्रदान कीजिएगा।

सादर
Sapna
कु० सपना
(असि० प्रो० हिंदी विभाग)

अनुमति

आचार्य
राजकीय महाविद्यालय
पाटी (चम्पावत)

S. No.:

सूचना

महाविद्यालय में अध्ययनरत समस्त छात्र / छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 20 मई 2025 को सुमित्रानंदन पंत जयंती के उपलक्ष्य में एक ऑनलाइन / ऑफलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। अतः समस्त विद्यार्थी अपनी उपस्थिति अनिवार्य रूप से बनाये रखें।

Sapna

कु० सपना
(आसि० प्रो० हिंदी विभाग)
रा० महा० पाटी चंपावत

अग्रसारित

17-5-2025

प्रतिवेदन

प्रस्तावना:

आज दिनांक 20 मई 2025 को सुमित्रानंदन पंत जयंती के अवसर पर राजकीय महाविद्यालय पाटी में पंत की 125 वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन कु. सपना(असिस्टेंट प्रो. हिंदी विभाग) द्वारा किया गया। जिसमें उन्होंने पंत के साहित्यिक योगदान और साहित्य में पंत की प्रासंगिकता, पर विचार प्रस्तुत किए गए । हिंदी साहित्य के प्रमुख कवियों में से एक थे। वे छायावादी युग के चार स्तंभों—जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा और पंत चतुर्थ स्तम्भ के रूप में गिने जाते हैं। उनकी कविता में प्रकृति, मानवतावाद और सौंदर्य का अद्भुत संगम दिखाई देता है।

कार्यक्रम का विवरण

कार्यक्रम संचालन - कु. सपना (असिस्टेंट प्रो. हिंदी विभाग) ने किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा पन्त की विभिन्न रचनाओं कविता, कहानी, लेख, पर अपने विचार प्रस्तुत कर उनके अमूल्य साहित्यिक योगदान पर चर्चा की गई । छात्रो को बताया गया कि सुमित्रानंदन पंत की रचनाओं में भावुकता, कल्पनाशीलता और संगीतात्मकता विशेष रूप से देखने को मिलती है। उन्होंने 'पल्लव', 'गुंजन', 'ग्राम्या', 'युगवाणी', 'लोकायतन' जैसी प्रसिद्ध काव्य कृतियाँ लिखीं। प्रारंभिक रचनाओं में प्रकृति और सौंदर्य का चित्रण मिलता है, जबकि बाद की रचनाओं में प्रगतिशील विचारधारा और मानवतावादी दृष्टिकोण प्रमुखता से उभरते हैं।

पलक पचोली(बी.ए षष्ठम सेमेस्टर) की छात्रा ने पंत द्वारा लिखित प्रथम रश्मि कविता का पाठ किया गया।

डॉली पाटनी, (बीए षष्ठ सेमेस्टर) की छात्रा ने पन्त द्वारा लिखित तप रे मधुर मन, कविता का पाठ किया गया ।

प्रियंका पाटनी, बी. ए षष्ठ सेमेस्टर की छात्रा ने सुमित्रानंदन पंत की साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डाला गया ।

मनीष चंद्र जोशी(बीए.षष्ठ सेमेस्टर) से पन्तं द्वारा लिखित कविता, जन भारत है जागृत भारत है, कविता का भाव सौंदर्य पर विचार प्रकट किया गया ।

बी.ए चतुर्थ सेमेस्टर से भूपेंद्र द्वारा ,पंत की कविता, आह धरती कितना देती है, कविता का सार प्रस्तुत किया।

बीए. षष्ठ सेमेस्टर की छात्रा कोमल ने पंत का जीवन परिचय देते हुए उनके काव्य की विशेषताओं का वर्णन अपने शब्दों में किया । उन्होंने बताया की सुमित्रानंदन पंत का जन्म 20 मई 1900 को उत्तराखंड के कौसानी नामक स्थान पर हुआ था। इनका असली नाम गोसाईं दत्त था। वे बाल्यकाल से ही प्रकृति प्रेमी और साहित्यिक प्रवृत्ति के थे। शिक्षा के लिए वे इलाहाबाद आए और वहीं पर उनका साहित्यिक विकास हुआ।

पंत के काव्य की विशेषताएँ:

1.छायावादी शैली का प्रमुख प्रभाव

2.प्रकृति का सुंदर और सजीव चित्रण

3.दार्शनिक और मानवीय दृष्टिकोण

4.भाषा की कोमलता और संगीतात्मकता

5.राष्ट्रीयता और सामाजिक चेतना का समावेश किया गया है।

कार्यक्रम का उदेश्य - समस्त विद्यार्थीयों को सुमित्रानंदन पंत के अमूल्य साहित्यिक योगदान से परिचित करवाना, और उन्हें साहित्यिक रचनाओं के अध्ययन के प्रति प्रेरित करना है ।

सुमित्रानंदन पंत को साहित्य अकादमी पुरस्कार, ज्ञानपीठ पुरस्कार और पद्मभूषण जैसे कई प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुए। इसलिए भी उनकी साहित्यिक कृतियों का अध्ययन करना अनिवार्य हो जाता है।

निष्कर्ष - सुमित्रानंदन पंत हिंदी कविता के उन सूर्यों में से हैं, जिन्होंने साहित्य को नई दिशा और गहराई प्रदान की। उनका योगदान आज भी साहित्य प्रेमियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। आज के इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। आज कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य - श्रीमती हिना परवीन, द्वारा की गई। डॉ धर्मवीर सिंह, श्रीमती अलका आर्य, कार्यालय अधीक्षक, श्री भगवती प्रसाद, एवं अन्य शिक्षणेत्तर कर्मचारी श्री जीवन राम, श्री लक्ष्मण बिष्ट, श्री राहुल मेहता, श्री मनोज कुमार, एवं छात्र /छात्राओं पलक पचोली, डोली पाटनी, मनीष चन्द्र जोशी, कोमल, सीमा, भूपेंद्र, अनीता, ममता, सम्मिलित रहे।

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय
पाटी (चम्पावत)

क्र.सं.	छात्र छात्रा का नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
01	मनीष चन्द्र जोशी	B.A 6 sem	manish
02	पलक पंचोली	B.A 6 sem	PALAK
03	डोली पाटनी	B.A 6 sem	Dauli
04	प्रियंका पाटनी	B.A 6 sem	Priyanka
05	भूपेन्द्र सिंह रावत	B.A 4 sem	B rawat
06	कविता	B.A 2 sem	Kavita
07	विनीता	B.A 6 sem	विनीता
08	ममता बिष्ट	B.A 6 sem	Mamta
09	कोमल बिष्ट	B.A 6th sem	Komal Bisht
10	सीमा	B.A 6th sem	Seema